अभिनव क़दम

११-१२

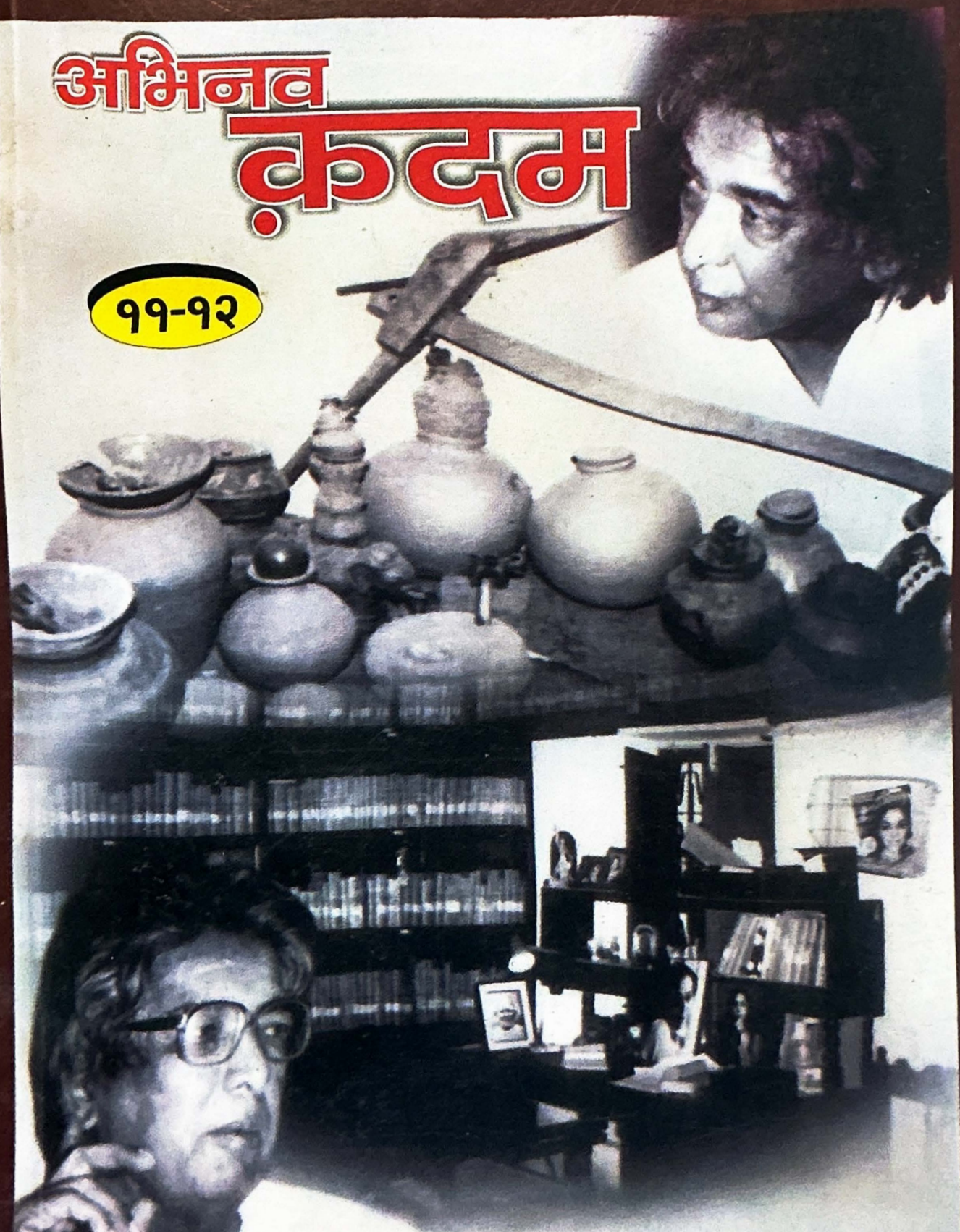

प्यार का जश्न नई तरह मनाना होगा।
ग़म किसी दिल में सही ग़म को मिटाना होगा।।
कैफ़ी

कैफ़ी आज़मी विशेषांक

वर्ष – ८ अंक ११–१२ (संयुक्तांक) जून २००४–मई २००५

अभिनव क़दम

यह अंक

सज्जाद ज़हीर व रशीद जहाँ

शताब्दी वर्ष को समर्पित

अभिनव क़दम
का
अगला प्रस्तावित विशेषांक

'महापण्डित राहुल सांकृत्यायन पर केन्द्रित'

✦

उपन्यास, कहानी, नाटक, कविता, यात्रा संस्मरण
धर्म, राजनीति, इतिहास, दर्शन, पुरातत्व
तथा
राहुल सांकृत्यायन की अन्य कृतियों का
पुर्नमूल्यांकन

✦

रचनाकारों से सचेत, सार्थक रचनात्मक
सहयोग के लिए अनुरोध।

– सम्पादक

संस्थापक–संरक्षक : अब्दुल बिस्मिल्लाह, उत्तम चन्द | जनसंस्कृति के पक्ष में आयोजन

वर्ष : ८ | अंक : ११–१२ (संयुक्तांक) | जून २००४ – मई २००५

अभिनव क़दम

: प्रधान संपादक :
चन्द्रदेव राय

: संपादक :
जयप्रकाश धूमकेतु

: संपादन सहयोग :
शिवकुमार पराग, राघवेन्द्र प्रताप सिंह

: प्रसार व्यवस्था :
श्रीमती राजेश्वरी

: संपर्क :
२२३, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड, निजामुद्दीनपुरा
मऊनाथ भंजन, मऊ (उ.प्र.) २५७१०१
फोन : ०५४७–२२२३११३, मोबाइल : ६४१५२४६७५५

आवरण छायांकन : **एस. के. दत्ता**

	राशि :
यह अक	६०/–
संस्थाओं के लिये	१००/–
आजीवन सदस्यता	१०००/–

प्रकाशक : साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था 'मंथन' मऊनाथ भंजन (मऊ)
कम्पोजिंग : ऋतिक कम्प्यूटर प्रिन्टर्स, मऊ, दूरभाष : २२२२४८८, मो.–६४१५२४६०१६
प्रिंन्टिग : सर्वेश प्रकाशन, १ बाई का बाग, इलाहाबाद–३ : फोन– २६०५६७२

संपादन / संचालन / अवैतनिक, अव्यवसायिक। अभिनव कदम से सम्बन्धित सभी विवाद मऊ न्यायालय के अधीन होंगे। अभिनव कदम में प्रकाशित रचनाओं की रीति–नीति या विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

रचना क्रम

क्र.सं.	पाठ का नाम	लेखक	पृष्ठ
	परिचय, व्यक्तित्व, संस्मरण		
१.	संपादकीय		७
२.	कैफ़ी आज़मी : एक परिचय	जयप्रकाश धूमकेतु	१०
३.	कैफ़ी से पहली मुलाकात	वामिक जौनपुरी	१४
४.	प्रगतिशील लेखक संघ और कैफी आज़मी	रामविलास शर्मा	१६
५.	कैफ़ी आज़मी साहेब	भीष्म साहनी	१८
६.	मेरे जीवन साथी	शौकत आज़मी	२३
७.	अब्बा	शबाना आज़मी	३६
८.	कैफ़ी के बहाने लेखकीय ऐक्टिविज़्म पर कुछ बातें	विभूति नारायण राय	४५
९.	फिरकापरस्ती के खिलाफ इप्टा की सांस्कृतिक यात्रायें और कैफ़ी आज़मी	राकेश	४९
१०.	कैफ़ी आज़मी : कुछ यादें, कुछ बातें	शाहिद माहुली	५४
११.	मिजवां के कैफ़ी आज़मी	चौथीराम यादव	५९
१२.	संस्कृतिकर्मियों का अयोध्या मार्च और कैफ़ी आज़मी	अवधेश प्रधान	६५
१३.	अंधेरे में रोशनी का पता देती है : कैफ़ी की शायरी	संजय श्रीवास्तव	७०
१४.	कैफ़ी आज़मी को याद करते हुए	का. ए. बी. बर्धन	७६
१५.	जन सरोकारों के विचारक और शायर	का. अतुल कुमार अनजान	७९
१६.	कुछ अन्तिम प्रगतिशील शायर के संबन्ध में	याकूब राही	८४
१७.	मिजवां में कैफ़ी आज़मी के साथ	शफीक आज़मी	९४
१८.	मुंबई का ग्लैमर कैफ़ी को नहीं कर पाया मिजवां से जुदा	प्रवीण शर्मा	९७
१९.	कौमी फसाद से कोई बड़ा अपराध नहीं	सुशील त्रिपाठी	१००
२०.	स्मृतियों के झरोखे से, कैफ़ी आज़मी	अरविन्द विद्रोही	१०२
२१.	कैफ़ी आज़मी के बारे में	कमल किशोर श्रमिक	१०५
२२.	अजीब आदमी था वो ! कैफ़ी आज़मी के नाम	जावेद अख्तर	१०९
२३.	जानकी कुटीर (कैफ़ी आज़मी को याद करते हुए)	सतेन्द्र कुमार	१११
२४.	योद्धा किसान वह टांडा का (सन्दर्भ : कैफ़ी आज़मी और अयोध्या मार्च)	अवधेश प्रधान	११६
	साक्षात्कार		
२५.	मैं हिन्दी को कौमी जुबान मानता हूँ (मशहूर शायर कैफ़ी आज़मी से विवादास्पद मुद्दों पर शम्भूनाथ सिंह की बातचीत)		११८

२६. निदा फाज़िली की कैफ़ी आज़मी से एक मुलाकात १२६
२७. बेगम अख्तर और कैफ़ी साहब की बातचीत १३२
२८. देश का विखण्डन हो जाए तो कोई बड़ी बात नहीं- कैफ़ी १३६
(संजीव चौहान से कैफ़ी आज़मी की बातचीत)
२९. कैफ़ी की कविता भारतीय परम्परा की कविता है १४०
(प्रो. असगर दजाहत से दुर्गा प्रसाद की बातचीत)
३०. उनकी आवाज़ बहुत खूबसूरत थी १४९
(शमीम हनफी से दुर्गा प्रसाद की बातचीत)
३१. कैफ़ी आज़मी के बहाने : उर्दू शायरी पर एक बातचीत : अजेय कुमार की जावेद अख्तर से १५६
३२. कैफ़ी आज़मी के बहाने : शबाना आज़मी से जयप्रकाश धूमकेतु की बातचीत १६४

कैफ़ी बकलम खुद

३३. कम्युनिस्ट पार्टी ने जो रास्ता दिखाया,
उसी पर चला मैं सारी उम्र कैफ़ी आज़मी १७५
३४. क्या दिया है अवामी थियेटर ने ? कैफ़ी आज़मी १८१
३५. आख़री शमा (नाटक) कैफ़ी आज़मी १८७
३६. कैफ़ी आज़मी की चुनी हुई नज़्में २२९
३७. कैफ़ी आज़मी की चुनी हुई ग़ज़लें २५१
३८. कैफी आज़मी के चुने हुए फिल्मी नग्में २६३
३९. ड्रामा देखने के लिए घर में ड्रामा (व्यंग्य) कैफ़ी आज़मी २७१
४०. हिकायत : मिर्ज़ा गालिब और बोतलवाली की (व्यंग्य) कैफ़ी आज़मी २७४
४१. गोर्की का पहली बार हिन्दुस्तान आना और
मेहमान होना प्रेमचन्द का (व्यंग्य) कैफ़ी आज़मी २७६
४२. अप्रैल फूल बन जाना बेज़मीन किसानों का (व्यंग्य) कैफ़ी आज़मी २७८
४३. पैदा होना जुड़वा सेनाओं का फ़िरक़ापरस्ती की कोख में (व्यंग्य) कैफ़ी आज़मी २८०

मूल्यांकन

४४. कैफ़ी आज़मी का कवि व्यक्तित्व शमशेर बहादुर सिंह २८२
४५. कैफ़ी आज़मी व्यक्तित्व एवं शायरी असगर अली इंजीनियर २९८
४६. कैफ़ी आज़मी और प्रगतिशील आन्दोलन अली अहदम फ़ातमी ३०८
४७. कैफ़ी आज़मी को पढ़ते हुए कुछ नोट्स परमानन्द श्रीवास्तव ३२१
४८. दूसरा बनवास : कुछ नोट्स राजीव रंजन गिरि ३२४

४६. नए मनुष्य का खोजी कवि	जितेन्द्र श्रीवास्तव	३२७
५०. बहार आये तो मेरा सलाम कह देना-कैफ़ी आज़मी	अबुल फैज़ सहर	३३५
५१. मेरे कब्जे में तो मेहनत के सिवा कुछ भी नहीं-कैफ़ी	श्रीप्रकाश शुक्ल	३४३
५२. इप्टा पर बहुत नाज था कैफ़ी आज़मी को	शकील सिद्दीकी	३५८
५३. कैफ़ी आज़मी और विचारधारा	रामनिहाल गुंजन	३६५
५४. 'दूर मंजिल थी, मगर ऐसी भी कुछ दूर न थी'	पंकज गौतम	३७०
५५. हम वो दीपक हैं जो आँधी में जला करते हैं	वीरेन्द्र मोहन	३६४
५६. नारी विमर्श की कसौटी पर औरत	भरत प्रसाद	४०२
५७. 'उठ मेरी जान ! मेरे साथ ही चलना है तुझे'	वीरेन्द्र सिंह	४१३
५८. कैफ़ी आज़मी की नज़्म औरत-एक नजर में	नगमा परवीन	४२३
५६. तो दिल सोचता है (सन्दर्भ कैफ़ी आज़मी)	शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी	४२८
६०. कैफ़ी : आम आदमी का शाइर	माधवेन्द्र	४३४
६१. दर्द का शायर- कैफ़ी आज़मी	अफ़गानुल्ला खाँ	४४३
६२. रूमान में डूबा हुआ सुर्ख तरक्की पसन्द शायर कैफ़ी	तबस्सुम बानो	४४६
६३. फिक्रमंद शायर कैफ़ी आज़मी	अनुराग कुमार	४५७
६४. जो काम कर हिम्मत से कर आसान क्या दुश्वार क्या	सूरज पालीवाल	४६५
६५. कैफ़ी के फिल्मी नग्में	राशिद अनवार राशिद	४७१
६६. दिल दिया ग़म से आशनाई की	चन्दन कुमार श्रीवास्तव	४७८
६७. कैफ़ी : गर्म हवाओं से भी दोपहर की उम्मीद	दिनेश श्रीनेत	४८२
६८. उर्दू की पहली सियासी मसनवी 'खाना-जंगी'	अली अहमद फातमी	४८५
६६. इब्लीस की मज्लिस-ए-शूरा (सन्दर्भ : अल्लामा इकबाल और कैफ़ी आज़मी)	मो. जियाउल्लाह	४६५
७०. सोज़-ए-यकीं का शार कैफ़ी आज़मी	खगेन्द्र ठाकुर	५०४
७१. कैफ़ी आज़मी की कालमनिगारी उर्फ़ किस्सा एक मीठी छुरी की मार का	नरेश नदीम	५११
७२. कैफ़ी आज़मी : आज के मिर्ज़ा ग़ालिब	विजय शर्मा	५१७
७३. हमारी साझी सांस्कृतिक-विरासत के प्रतीक-कैफ़ी	प्रभा दीक्षित	५३३
७४. कैफ़ी आज़मी की शायरी में सियासी इशारे	मुमताज अनवर	५३६

पत्र सन्दर्भ

७५. कैफ़ी आज़मी के ख़त अली अहमद फातमी के नाम	५४६
७६. कैफ़ी आज़मी के पत्र सैय्यद मु. मेंहदी के नाम	५५६
७७. रचनाकारों के सम्पर्क सूत्र	५६०

संपादकीय

'कोई खिड़की इसी दीवार में खुल जायेगी'

कैफ़ी आज़मी तरक्की पसन्द तहरीक की अहम् शख्सियत का नाम है, जिसने प्रगतिशील आन्दोलन और जननाट्य आन्दोलन को आगे बढ़ाने में अपनी पूरी जिन्दगी खपा दी। कैफ़ी संगठनकर्ता के साथ–साथ उर्दू अदब के बेमिसाल शायर थे। कैफ़ी ने इप्टा के लिये बहुत सारे नाटक और गीत लिखे। राष्ट्रीय चेतना से सम्पन्न कैफ़ी आज़मी के फिल्मी नग्मे इतिहास रचते हुए दिखाई पड़ते हैं। कैफ़ी आज़मी को फिल्मों में कहानी, पटकथा, संवाद लेखन में महारत हासिल थी, तभी तो उन्हें देश के विभाजन पर बनी फिल्म 'गरम हवा' पर एक साथ कहानी, पटकथा, संवाद लेखन के लिए तीन–तीन फिल्म फेयर अवार्ड मिले। 'नसीम' फिल्म जो बाबरी मस्जिद विध्वंश को केन्द्र में रखकर बनी उसमें दादाजी की भूमिका में कैफ़ी आज़मी ने अकल्पनीय अभिनय किया।

कैफ़ी उर्दू अदब में ग़ज़ल के रास्ते से प्रवेश करते हैं, परन्तु आगे चल कर नज्मों के माध्यम से उर्दू शायरी में पूरी ऊचाई तक पहुंचते हैं। औरत, मकान, धमाका, तेलंगाना, सांप, आवारा सज्दे, इन्तशार, दूसरा बनावास, बहुरूपनी, सोमनाथ जैसी नज्मों को अदब की दुनिया का हर शख्श ठीक ढंग से जानता है, और कैफ़ी की प्रशंसा करने से नहीं चूकता। खाना–जंगी मस्नवी के माध्यम से कैफ़ी आज़मी ने उर्दू में मस्नवी की परम्परा को एक नया आयाम दिया। अल्लामा इकबाल की नज़्म 'इब्लिस की मज्लिस–ए–शूरा' जो १९३६ में लिखी गई थी के समानान्तर कैफ़ी आज़मी ने अपने वैचारिक धरातल को विस्तार देने के लिए इब्लिस की मज्लिस–ए–शूरा–दूसरा इज्लास (१९८३) जैसी नज़्म लिखी। नज़्म के साथ–साथ कैफ़ी ने ग़ज़ल कहना जारी रखा। कैफ़ी आज़मी न सिर्फ साहित्य, कला–संस्कृति के मोर्चे पर काम कर रहे थे। बल्कि साथ ही साथ सामाजिक बदलाव के लिए किसानों–मजदूरों के साथ जनसंघर्षों के जितने भी पड़ाव आये